Roll No. : ..... Total Pages : 7

1382-R

Ist Year Arts Examination, 2018

HINDI LITERATURE

Paper – II

(गद्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

(खण्ड-अ) [Marks : 20]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-ब) [Marks : 50]

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-स) [Marks : 30]

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

(इकाई-I)

1. (i) 'अलख आजादी की' नाटक का प्रथम मंचन कहाँ हुआ ?

(ii) वास्कोडिगामा कालीकट कब पहुँचा ?

(इकाई-II)

(iii) बालमुकुंद गुप्त का निबंध किस रचना से उद्धृत है ?

(iv) क्रोध उत्पन्न होने पर मनुष्य क्या करता है ?

(इकाई-III)

(v) 'तुलसी के सामाजिक मूल्य' निबंध के निबंधकार कौन हैं ?

(vi) पाठ्यक्रम में डॉ. नगेन्द्र का निबंध कौन-सा है ?

(इकाई-IV)

(vii) सुशीलकुमार सिंह के कोई **चार** नाटकों के नाम लिखिए।

(viii) 'अंधायुग' किस प्रकार का नाटक है ?

(इकाई-V)

(ix) भारतेंदु युगीन कोई दो निबंधकारों के नाम बताइए।

(x) पं. महावीर प्रसाद द्विवेदी का मुख्य योगदान क्या रहा ?

खण्ड-ब

(इकाई-I)

निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

2. ''दो कौमों का सिद्धांत असत्य है। ..... हिंदोस्तान के मुसलमान विभाजन पर जोर दें तो मैं अहिंसा का पुजारी होने के नाते उन्हें रोक नहीं सकता ..... लेकिन यह एक कौम के रूप में साथ रहने के लिए अनगिनत हिंदुओं और मुसलमानों ने सदियों तक जो काम किए हैं ..... उन्हे धूल में मिलाना है। ..... मेरी आत्मा इस कल्पना के विरुद्ध बगावत करती है कि हिंदुत्व और इस्लाम दो परस्पर विरोधी संस्कृतियों और सिद्धांतों के प्रतिनिधि हैं।''

(अथवा)

3. ''तो भय्या गाँधीजी ने शुरू किया सत्याग्रह। ..... अब गोरों ने लाठी, डंडा, गोली सब चलाई पर कोई टस-से-मस नहीं हुआ। आगे की पंक्ति के लोग घायल हो जाते तो स्वयंसेवक उन्हें उठा ले जाते। नए लोग सीना तान कर फिर सामने आ जाते ..... ये सिलसिला चलता रहा ..... कई जगह ..... कई दिन ..... किसी ने उफ तक न की ..... और न ही किसी ने पलट कर वार किया ..... धैर्य और सहनशीलता के इस अनोखे हथियार से अंग्रेज घबरा गए ..... आखिरकार उन्हें सत्याग्रहियों के आगे झुकना पड़ा ..... उनकी बातें माननी पड़ीं।''

निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

4. समसामयिक और शाश्वत् परस्पर विरोधी स्थितियाँ नहीं हैं। उनमें 'है' और 'होना चाहिए' का अंतर मात्र है। अनेक समसामयिक, अतीत बनकर ही शाश्वत् का सृजन करते हैं। एक इतिवृत्त है और दूसरा अनेक इतिवृत्तों के अनुभव-संघात से निर्मित भावात्मक लक्ष्य है। कोई भी व्यापक लक्ष्य स्वयं तक पहुँचाने वाले साधनों का विरोध नहीं करता और साधनों का अस्तित्व समसामयिक परिस्थितियों में रहता है।

अथवा

5. कबीर आदि ज्ञानमार्गियों की आध्यात्मिकता तो एकदम स्पष्ट है। रहस्यमय सत्ता की अभिव्यक्ति और मिथ्या संसार की सुदृढ़ धारणा उनके अध्याय के अविचल स्तम्भ हैं। आध्यात्मिक काव्य के लिए एक अखंड सत्ता का स्वीकार – वह प्रेममय हो, ज्ञानमय या आनंदमय – जितना आवश्यक था, सांसारिक सत्ता या व्यावहारिक जीवन का अस्वीकार भी उतना ही अनिवार्य हो गया था।

(इकाई-III)

निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

6. परंतु मैं नैतिक एवं सामाजिक मूल्य का निषेध नहीं करता। जीवन में नीति और समाज की सत्ता अतर्क्य है। मनुष्य सामाजिक प्राणी है, सामूहिक हित उसके अपने व्यक्तिगत हितों से निश्चय ही अधिक महत्वपूर्ण हैं, समाज की संघ-शक्ति व्यक्ति की अपनी शक्ति की अपेक्षा निश्चय ही अधिक प्रबल है। समाज के संगठन और हितों की रक्षा करने वाले नियमों का संकलन ही नीति है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को उसकी अपेक्षा करनी होगी।

अथवा

7. तुलसीदास ने जो राम में जन्मभूमि का प्रेम, निर्धन और परित्यक्त जनों के प्रति प्रेम चित्रित किया है, वह आकस्मिक नहीं है। उनके हृदय में जो प्रेम-प्रमोद-प्रवाह उमगा था, वही राम में साकार हो गया है। उन्होंने कहा भी था - 'जाकी रही भावना जैसी। प्रभू मूरति देखी तिन तैसी।' तुलसीदास ने भी अपनी भावना के अनुसार राम को प्रेममय, अपार करुणामय देखा है। रामचरितमानस के राम वाल्मीकि, कालिदास, भवभूति अन्य सभी कवियों के रामों से भिन्न हैं। वे तुलसी के राम हैं उनमें हमें स्वयं तुलसीदास की मानवीय छवि दिखाई देती है।

(इकाई–IV)

8. स्वातंत्र्योत्तर नाटकों के विकास को समझाइए।

अथवा

9. प्रसाद के नाटकों की विशेषताओं पर एक टिप्पणी लिखिए।

(इकाई–V)

10. भारतेंदु युगीन निबंध एवं निबंधकारों पर एक टिप्पणी लिखिए।

अथवा

11. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी युगीन निबंधों की विशेषताएँ बताइए।

(खण्ड-स)

(इकाई–I)

12. 'अलख आजादी की' नाटक में आए अंग्रेज पात्रों के चरित्रों का चित्रांकन कीजिए।

(इकाई–II)

13. 'बनाम लार्ड कर्जन' निबंध में निबंधकार क्या कहना चाहता है ? विस्तार से बताइए।

(इकाई-III)

14. 'साहित्य का संबंध दार्शनिक अतिवादों से न होकर जीवन से है।' पंक्ति के आधार पर 'साहित्य में आत्माभिव्यक्ति' निबंध की समीक्षा कीजिए।

(इकाई-IV)

15. भारतेंदु युगीन नाटक एवं उनकी प्रवृत्तियों पर एक टिप्पणी लिखिए।

(इकाई-V)

16. रामचंद्र शुक्ल के निबंधों के विषय एवं शैली पर अपने विचार लिखिए।